भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1337

दिनांक 11 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्राकृतिक रबर की कीमत

1337. श्री एन. के.प्रेमचन्द्रन:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने प्राकृतिक रबर की कीमत में गिरावट के परिणामस्वरूप केरल की अर्थव्यवस्था में आए संकट पर ध्यान दिया हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने केरल में बागान फसलों की कीमत में गिरावट के कारणों के संबंध में कोई अध्ययन किया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा केरल में किसानों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है;

(ङ) क्या सरकार का बागान फसलों की कीमत की सुरक्षा के लिए आयात नीति में परिवर्तन करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(च) क्या सरकार का केरल में रबर किसानों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजना लागू करने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) क्या सरकार का आयातित प्राकृतिक रबर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रस्ताव है; और

(ज) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ख): अप्रैल से दिसंबर, 2024-25 के दौरान कोट्टायम, केरल में प्राकृतिक रबड़ (आरएसएस 4 ग्रेड) की औसत कीमत वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि के दौरान 151.88 रुपये प्रति किलोग्राम की औसत कीमत की तुलना में 33.03% की वृद्धि के साथ 202.04 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

(ग) और (घ): अप्रैल से दिसंबर, 2024-25 के दौरान केरल में बागान फसलों जैसे चाय, प्राकृतिक रबर, कॉफी और इलायची (छोटी) की कीमतें 2023-24 की समान अवधि की कीमतों से अधिक रही हैं। अप्रैल से दिसंबर 2024-25 की अवधि के दौरान, केरल के कोचीन में चाय की औसत नीलामी कीमत में 18.17% की वृद्धि हुई, केरल में इलायची (छोटी) की औसत नीलामी कीमत में 49.44% की वृद्धि हुई, केरल में अरेबिका अन-क्योर ड्राई प्रोसेस्ड चेरी कॉफी की औसत फार्मगेट कीमतों में 32.54% की वृद्धि हुई और केरल में रोबस्टा अन-क्योर्ड ड्राई प्रोसेस्ड चेरी कॉफी की औसत फार्मगेट कीमतों में 2023-24 की समान अवधि की कीमतों की तुलना में 55.99% की वृद्धि हुई।

(ङ): अप्रैल-दिसंबर, 2024-25 की अवधि के दौरान प्राकृतिक रबड़, चाय, कॉफी और इलायची जैसी बागान फसलों की कीमतें वर्ष 2023-24 की समान अवधि की तुलना में अधिक रही। इन वस्तुओं के उत्पादन, आयात और मूल्य प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में आयात नीति में कोई परिवर्तन विचाराधीन नहीं है।

(च) भारत सरकार रबड़ बोर्ड के माध्यम से केरल सहित देश में प्राकृतिक रबड़ क्षेत्र के लाभार्थ "प्राकृतिक रबड़ क्षेत्र का सतत एवं समावेशी विकास स्कीम" नामक योजना कार्यान्वित कर रही है। इस स्कीम के अंतर्गत, रबड़ बोर्ड अन्य बातों के साथ-साथ प्राकृतिक रबड़ की उत्पादकता और उत्पादन में सुधार लाने के लिए प्राकृतिक रबड़ के रोपण/पुन रोपण, रेन गार्डिंग, अच्छी कृषि परिपाटियों के संवर्धन और रोगों की रोकथाम के लिए वित्तीय/तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

(छ) और (ज): सरकार घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदनों के आधार पर पाटनरोधी उपायों पर विचार करती है। वर्तमान में, व्यापार उपचार महानिदेशालय के पास प्राकृतिक रबड़ पर व्यापार उपचारात्मक उपायों के लिए अनुरोध करने वाला कोई जांच अथवा लंबित आवेदन नहीं है।

***